कृषि विज्ञान केंद्र मांडू रामगढ़ में 05 दिसंबर को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस

कृषि विज्ञान केंद्र मांडू रामगढ़ में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस 05 दिसंबर 2021 को मनाया गया। जिसमें रामगढ़ जिले से 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर दुष्यंत कुमार राघव प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र मांडू ने किया कार्यक्रम में किसानों को मृदा स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। मृदा की उर्वरता को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है। इसके बारे में किसानों को जैविक खाद एवं रासायनिक खादों के प्रयोग में संतुलन बनाए बनाकर प्रयोग करने की सलाह दी गई।साथ में जैविक खादों का प्रयोग एवं मृदा सुधारकों के प्रयोग के बारे में भी बताया गया। डॉ डीके राघव ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि 3 वर्ष में एक बार जरूर मिट्टी की जांच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। जिसके आधार पर हमारे किसान भाई मिट्टी में रासायनिक खाद प्रयोग कर संतुलन बना सकते हैं जिससे उनके लागत में कमी आएगी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ इंद्रजीत ने किसानों को बताया कि हमें अपनी मृदा को सुरक्षित रखना है तो फसल चक्र अपना बहुत जरूरी है। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश होना अति आवश्यक है। दलहनी फसलों के बारे में नाइट्रोजन का स्थिरीकरण समुचित रूप से हो जाता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर धर्मजीत खेरवार ने किसानों को किस मिट्टी में बागवानी किया जाए और किस प्रकार से बागवानी का प्रबंधन किया जाए इसके बारे में विस्तृत रूप से प्रशिक्षित किए। केंद्र के सनी कुमार ने विश्व मृदा दिवस के अवसर पर प्रशिक्षण में उपस्थित किसानों को केंद्र के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराकर केंद्र में लगे हुए प्रत्यक्षण बागवानी एवं आईएफएस मॉडल का भ्रमण कराया। इस अवसर पर केंद्र के शशि कान्त चौबे एवं प्रशिक्षणार्थियों के साथ- साथ अन्य लोग भी शामिल थे।